

परीत्त वि. (तत्.) 1. सीमाबद्ध, मर्यादित, सीमित
2. संकीर्ण, संकुचित, तंग 3. दिया हुआ।

परीपैकर वि. (फा.) परी के समानसुंदर, परी जैसा, परीनुमा।

परीप्सा स्त्री. (तत्.) 1. पाने या प्राप्त करने की इच्छा 2. शीघ्रता, जल्दबाजी।

परीबंद पुं. (फा.) 1. कलाई में पहना जाने वाला स्त्रियों का एक गहना, बाजूबंद 2. बच्चों के पाँवों में पहनने का एक आभूषण जिसमें घुँघरु होते हैं 3. कुश्ती में प्रयोग किया जाने वाला एक पेंच।

परीभाव पुं. (तत्.) तिरस्कार, परिभाव, अनादर।

परीमाण पुं. (तत्.) दे. परिमाण।

परीरंभ पुं. (तत्.) 1. आलिंगन 2. दे. परिरंभ।

परीर पुं. (तत्.) वृक्ष का फल।

परीरणा पुं. (तत्.) 1. वस्त्र, परिधान, कपड़ा 2. कछुआ 3. डंडा, छड़ी।

परीष्टि स्त्री. (तत्.) 1. खोज, अन्वेषण 2. सेवा, परिचर्या 3. आदर, सम्मान, इज्जत 4. इच्छुक होने का भाव, चाह।

परु पुं. (तत्.) 1. गाँठ, जोड़, ग्रंथि 2. अवयव, शरीर का अंग 3. समुद्र 4. स्वर्ग 5. पर्वत, पहाड़ अव्य. गत वर्ष या आगामी वर्ष।

परुआ स्त्री. (देश.) 1. अपमान का बदला, बेइज्जती का बदला 2. एक प्रकार की भूमि वि. 1. काम के समय गिर या पड़ जाने वाला, कामचोर यथा- बैल 2. पड़ा हुआ, गिरा हुआ, राह से गिरा या पड़ा हुआ 3. पुं. पड़वा (भैंस का बच्चा)।

परुई स्त्री. (देश.) भड़भूजे की अनाज भूनने वाली नाद।

परुख वि. (तद्.) दे. परुष।

परुत अव्य. (तत्.) विगत वर्ष में, पिछला, बीता वर्ष।

परुद्वार पुं. (तत्.) अश्व, घोड़ा।

परुष वि. (तत्.) 1. कठोर, कर्कश, कड़ा, शुष्क, सख्त 2. निष्ठुर, हृदयहीन 3. नीरस, रसहीन 4. खुरदरा 5. उग्र पुं. 1. नीली कटसरैया 2. फालसा

3. तीर, बाण 4. सरकंडा 5. खरदूषण का एक सेनापति 6. अप्रिय वचन, कठोर वचन।

परुषता स्त्री. (तत्.) 1. कठोरता, कड़ाई, कर्कशता 2. निर्दयता, निष्ठुरता 3. परुष होने की अवस्था या भाव।

परुषत्व पुं. (तत्.) दे. परुषता।

परुषा स्त्री. (तत्.) 1. साहित्य में शब्द-योजना की एक विशिष्ट प्रणाली जिसमें टवर्गीय, द्वित्व, संयुक्त, रेफ, श, ष आदि वर्णों की तथा लंबे समासों की अधिकता होती है 2. रावी नदी 3. फालसा।

परुषाक्षर वि. (तत्.) 1. रुखे या कड़े शब्दों के व्यवहार वाला 2. रुखे, कर्कश शब्द बोलने वाला, अप्रिय शब्द बोलने वाला।

परुषेतर वि. (तत्.) जो कठोर या कर्कश न हो, मृदु, कोमल।

परुषोक्तिक वि. (तत्.) कटुवादी, कड़ी बात कहने वाला।

परुष्णी स्त्री. (तत्.) रावी नदी का वैदिककालीन नाम।

परुंगा पुं (देश.) हिमालय पर होने या मिलने वाला एक प्रकार का शाहबलूत।

परुषक पुं. (तत्.) फालसा।

परुसिनी स्त्री (देश.) दे. पड़ोसिन।

परे अव्य. (तत्.) 1. दूर, उस ओर, उधर 2. अतीत 3. बाहर, अलग 4. ऊपर, ऊँचे, बढ़कर 5. बाद, पीछे।

परेई स्त्री. (देश.) 1. मादा कबूतर, कबूतरी 2. पंडकुकी, फाखता।

परेखना स.क्रि. (तद्.) 1. हर पहलू से देखना, जाँचना 2. प्रतीक्षा करना 3. प्रायश्चित्तकरना 4. दे. परखना।

परेग पुं. (देश.) लोहे की कील, छोटा काँटा, छोटी कील।

परेड पुं. (अं.) 1. वह मैदान जहाँ सैनिकों को युद्ध की शिक्षा दी जाती है 2. युद्ध का अभ्यास, सैनिकों की कवायद 3. सैनिक शिक्षा।